4. कवरेज और अवधि

4.1 यह मिशन 100 शहरों को कवर करेगा और इसकी अवधि पांच वर्ष (वित्तीय वर्ष 2015–16 और वित्तीय वर्ष 2019–20) होगी। इसके पश्चात् इस मिशन को शहरी विकास मंत्रालय द्वारा किए जाने वाले मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए जारी रखा जा सकता है और इस मिशन में अनुभवों को सम्मिलित किया जा सकता है।

5. कार्यनीति

5.1 स्मार्ट सिटी मिशन में क्षेत्र – आधारित विकास के कार्यनीतिक घटक नगर सुधार (रिट्रोफिटिंग), नगर नवीकरण (पुनर्विकास) और नगर विस्तार (हरित क्षेत्र विकास) के अतिरिक्त पैन–सिटी प्रयास जिसमें शहर के बड़े भागों को कवर करते हुए सुव्यवस्थित समाधान (स्मार्ट साल्यूशन) लागू किया जाता है। नीचे क्षेत्र आधारित स्मार्ट सिटी विकास के तीन मॉडल दिये गए हैं:

5.1.1 **रिट्रोफिटिंग** को वर्तमान निर्मित क्षेत्र में स्मार्ट सिटी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, अन्य उद्देश्यों के साथ–साथ, योजना में शुरू किया जायेगा, जिससे वर्तमान क्षेत्र को अधिक सक्षम और रहने योग्य बनाया जा सके। रिट्रोफिटिंग में, शहर द्वारा नागरिकों के परामर्श से 500 एकड से अधिक के क्षेत्र को चिन्हित किया जायेगा। चिन्हित क्षेत्र में अवसंरचनात्मक सेवाओं के वर्तमान स्तर और निवासियों के विजन के आधार पर, शहर को स्मार्ट बनाने के लिए शहर कार्य नीति तैयार करेंगे। चूंकि इस मॉडल में वर्तमान ढांचे अधिकतर यथावत बने रहेंगे, यह प्रत्याशा की जाती है कि रिट्रोफिटेड स्मार्ट शहर में अधिक गहन अवसंरचनात्मक सेवा स्तर और बड़ी संख्या में स्मार्ट–अनुप्रयोग करने पड़ेंगे। यह कार्यनीति अल्प समयावधि में पूरी की जाए जिससे शहर के अन्य भागों पर भी इसका प्रभाव पड़े।

5.1.2 **पुनर्विकास** से वर्तमान निर्मित वातावरण का प्रतिस्थापन किया जायेगा और मिश्रित भू–प्रयोग और संवर्धित घनत्व के प्रयोग द्वारा संवर्धित अवसरंचना के साथ नये ले–आउट को सह–सृजन समर्थ बनाया जायेगा। पुनर्विकास में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) द्वारा नागरिकों के साथ परामर्श से 50 एकड से अधिक के क्षेत्र का पता लगाने की कल्पना की गई है। उदाहरण के लिए, पता लगाये गए क्षेत्र में, नया ले–आउट प्लान मिश्रित–भू प्रयोग, उच्च एफएसआई, और अधिक भू–कवरेज, के साथ तैयार किया जायेगा। पुनर्विकास मॉडल के दो उदाहरण मुम्बई में सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट परियोजना (इसे भिण्डी बाजार परियोजना भी कहा जाता है) और नेशनल बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन कारर्पोशन द्वारा आरंभ किया गया नई दिल्ली में पूर्वी किदवई नगर का पुनर्विकास हैं।

5.1.3 **हरित** क्षेत्र विकास नवीकृत योजना, योजना वित्तपोषण और योजना कार्यान्वयन साधनों (जैसे लैण्ड पूलिंग/भूमिपुनर्गठन) का प्रयोग करते हुए पूर्व में खाली पड़े क्षेत्र (250 एकड़ से अधिक) में सुव्यवस्थित समाधानों को आंरभ किया जायेगा और साथ ही किफायती आवासों का प्रावधान विशेषकर गरीबों के लिए भी किया जायेगा। शहरों के आस–पास के हरित क्षेत्रों का विकास बढ़ रही आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपेक्षित है। गुजरात में जीआईएफटी शहर इसका सुविख्यात उदाहरण है। रिट्रोफिटिंग और पुनर्विकास से भिन्न हरित क्षेत्र विकास या तो यूएलबी की सीमाओं के भीतर आएगा या स्थानीय शहरी विकास प्राधिकरण (यूडीए) की सीमाओं के भीतर आएगा।

5.1.4 **पैन–सिटी** विकास में वर्तमान शहर–व्यापी अवसरंचना में चुनिंदा सुव्यवस्थित समाधानों के प्रयोग की कल्पना की गई है। स्मार्ट समाधानों के अनुप्रयोग में प्रौद्योगिकी, सूचना और डाटा शामिल हैं, जो अवंसरचना और सेवा को उत्तम बनाएंगे। उदाहरणार्थ, परिवहन क्षेत्र में (कुशल यातायात प्रबंधन प्रणाली) स्मार्ट समाधान प्रयोग में लाना और यात्रा समय अथवा नागरिकों की लागत में कमी लाना जिससे उत्पादकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और नागरिकों के जीवन में गुणात्मक सुधार होगा। एक अन्य उदाहरण अपशिष्ट जल पुनःचक्रण और स्मार्ट मीटर व्यवस्था है जो शहर में बेहतर जलप्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।